भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 776

गुरूवार, 5 फरवरी, 2026/16 माघ, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटन क्षेत्र में सुधार किया जाना

776 श्री संजय राउत:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या मंत्रालय ने सिंगापुर और प्रमुख यूरोपीय देशों जैसे पर्यटन स्थलों की तुलना में भारत में अपेक्षाकृत कम विदेशी पर्यटकों के आगमन के कारणों का आकलन किया है और इसके प्रमुख निष्कर्ष क्या हैं;

(ख) क्या पर्यटक सुरक्षा, उड़ान व्यवधान, असमान अवसंरचना और गंतव्य प्रचार-प्रणाली से संबंधित मुद्दों ने विदेशों में भारत की पर्यटन छवि को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है;

(ग) भारत की वीजा सुगमता और प्रवेश प्रक्रियाएं वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं से किस प्रकार तुलनीय हैं; और

(घ) क्या मंत्रालय विदेशी पर्यटकों के आगमन और पर्यटन से संबंधित विदेशी मुद्रा आय बढ़ाने के लिए नियामक सरलीकरण, सिंगल-विंडो मंजूरी, समन्वित वैश्विक प्रचार, विमानन समन्वय और उन्नत सुरक्षा उपायों जैसे सुधारों का प्रस्ताव करता है, यदि हां, तो इसकी समय-सीमा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): देश में पर्यटकों का आगमन विभिन्न कारकों, जैसे कि वीजा सुविधा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता मानकों, गुणवत्तापूर्ण पर्यटन अवसंरचना एवं सेवाओं की उपलब्धता, निर्बाध संपर्कता, आदि पर निर्भर करता है। भारत में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन (आईटीए) में पिछले पांच (5) वर्षों में निरंतर वृद्धि देखी गई है एवं इसने कोविड-पूर्व के स्तरों को पार कर लिया है। वर्ष 2019 से 2024 तक भारत में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन का विवरण नीचे दिया गया है:

वर्ष	**2019**	**2020**	**2021**	**2022**	**2023**	**2024**
भारत में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन (आईटीए) (मिलियन में)	17.91	6.33	7.00	14.33	18.89	20.57

स्रोत: आप्रवासन ब्यूरो

विदेशों में भारत की पर्यटन की छवि सकारात्मक बनी हुई है, जिसे सुरक्षा को सुदृढ करने, संपर्कता और अवसंरचना में सुधार करने एवं समन्वित गंतव्य संवर्धन के लिए सरकार के निरंतर प्रयासों का

सहयोग प्राप्त है। ये उपाय एक आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में भारत में अंतर्राष्ट्रीय विश्वास को सुदृढ करते हैं।

ई-वीजा विदेशी पर्यटकों के बीच बहुत लोकप्रिय हो गया है, जो इस तथ्य से स्पष्ट है कि पिछले कुछ वर्षों में जारी किए गए ई-वीजा की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। वर्तमान में ई-वीजा की चौदह उप-श्रेणियां हैं और अब यह 38 नामित हवाई अड्डों, 16 नामित समुद्री बंदरगाहों और 02 भूमि बंदरगाहों के माध्यम से प्रवेश के लिए 175 देशों के नागरिकों के लिए उपलब्ध है।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तत्वावधान में उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली (एनएसडब्ल्यूएस) के पोर्टलों की स्थापना के माध्यम से, सरकार आवेदन प्रक्रिया में सरलता सुनिश्चित कर रही है। राष्ट्रीय एकीकृत आतिथ्य उद्योग डेटाबेस (निधि+) में पंजीकरण को भी, जो आवास इकाइयों, ट्रैवल एजेंटों, टूर ऑपरेटरों, पर्यटक परिवहन ऑपरेटरों, खाद्य और पेय इकाइयों, ऑनलाइन ट्रैवल एग्रीगेटर्स, कन्वेंशन सेंटर और पर्यटक सुविधाप्रदाताओं के पंजीकरण/अनुमोदन/वर्गीकरण के लिए पर्यटन मंत्रालय का पोर्टल है, एनएसडब्ल्यूएस के साथ जोड़ा गया है।

संवर्धनात्मक कार्यकलाप आधिकारिक पर्यटन वेबसाइटें, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मेलों और प्रदर्शनियों में भागीदारी सहित डिजिटल और पारंपरिक मीडिया के मिश्रण के माध्यम से की जाती हैं। अतुल्य भारत अभियान ने भारत की वैश्विक ब्रांड उपस्थिति को सुदृढ किया है और विदेशी पर्यटक आगमन में उल्लेखनीय वृद्धि में योगदान दिया है।

पर्यटन स्थल के विकास के लिए प्रभावी और पर्याप्त संपर्कता महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है। पर्यटन मंत्रालय महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों और अधिक संभावना वाले अल्पज्ञात/नए गंतव्यों के लिए हवाई संपर्क में सुधार के लिए नागर विमानन मंत्रालय के साथ मिलकर काम कर रहा है।

पर्यटकों की सुरक्षा एवं हिफाजत अनिवार्य रूप से राज्य का विषय है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय पर्यटकों के लिए जमीनी सुरक्षा तंत्र को मज़बूत करने हेतु समर्पित पर्यटन पुलिस की स्थापना के लिए सभी राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के समक्ष इस मामले को लगातार उठाता रहा है। पर्यटकों के लिए यात्रा को सुरक्षित और हिफाजत-युक्त बनाने के लिए मंत्रालय के निरंतर प्रयासों के एक भाग के रूप में, पर्यटन मंत्रालय ने घरेलू और विदेशी पर्यटकों के लिए टोल फ्री नंबर 1800111363 या संक्षिप्त कोड 1363 पर 10 अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं सहित 12 भाषाओं में 24x7 बहुभाषी पर्यटक हेल्पलाइन की स्थापना की है, ताकि भारत में यात्रा से संबंधित जानकारी के संदर्भ में सहायता सेवा प्रदान की जा सके और भारत में यात्रा करते समय संकट में फंसे पर्यटकों को उचित मार्गदर्शन दिया जा सके।

*****